Price ₹ 5/-

वर्ष-13, अंक-147, मार्च 20, 2022

हृदय और धड़कन

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107		

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980		

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. अमित चंदन	+91-96990 84097
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008
डॉ. निकुंज व्यास	+91-73531 65955

पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह +91-98250 44502

कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी +91-99240 84700

कार्डियाक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया +91-90999 87400

JCI NABH NABH ER ACC International Centers Of Excellence

CIMS®
MARENGO ASIA NETWORK HOSPITAL

हृदय रोग के उपचार में उपयोगी हाइब्रीड प्रक्रिया

हाइब्रीड प्रक्रिया क्या है?

पौराणिक समय से ही हाइब्रीड हमेशा से जिज्ञासा और प्रशंसा का विषय रहा है। हाइब्रीड एक काल्पनिक जानवर है जो विभिन्न जानवरों के शरीर के विभिन्न हिस्सों को मिलाकर बनाया गया है। निम्नलिखित चित्र इस परिभाषा को दर्शाता है। यहाँ चित्रित जानवर को असीरियन शाडु के नाम से जाना जाता है। जिसमे एक बैल का शरीर, पंख और एक मानव सिर होता है। इन सभी अंग साथ मिलकर जो जानवर बना उसमें एक विशेष शक्तिथी।

अगर यही परिभाषा हम हृदय रोग के उपचार में उपयोग में लेते है तो हमको मिलती है एक हाइब्रिड कार्डियक प्रक्रिया जो ओपन हार्ट सर्जरी तकनीकों और कैथेटर-आधारित इन्टरवेंशन जैसे की कोरोनरी एंजियोप्लास्टी और स्टेंट को जोड़ती है ताकि रोगियों के लिए कम इन्वेसिव सर्जरी संभव हो सके।

स्टेंट और बैलून एंजियोप्लास्टी

यहां मैं कुछ विवरण जोड़ना चाहूंगा ताकि आप इस तकनीक को और जल्दी समझ सकें। कोरोनरी धमनी (आर्टरी) की बीमारी से हृदय की मांसपेशियों तक ऑक्सीजन युक्त रक्त ले जाने वाली धमनियों में गंभीर रुकावट (स्टेनोसिस) हो जाती है। मानव हृदय को तीन मुख्य धमनियों में विभाजित किया जाता है : राइट (दाहिना) कोरोनरी आर्टरी (धमनी) (RCA) और लेफ्ट (बायाँ) एन्टीरियर डिसेंडिंग (LAD) और सरकम्फलेक्स आर्टरी (CX)। इन धमनियों में ब्लॉकेज की मेडिकल रिपोर्ट की अधिक व्याख्या के लिए नीचे दर्शाए हृदय की तस्वीर देखें :

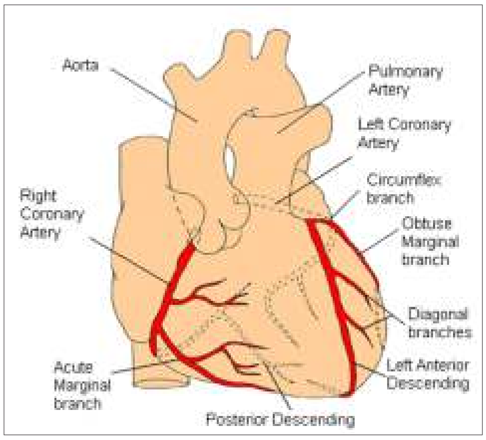

जब रिपोर्टमें यह बताया जाता है कि आपको "ट्रिपल वेसल डिजीज" है, तो इसका मतलब है कि सभी तीन प्रमुख रक्तवाहिकाओं (LAD, CX और RCA) या उनकी शाखाओं में ज़्यादा या कम गंभीर रुकावटें हैं। जो रिपोर्ट में आये की आपको "लेफ्ट मेइन डिसीज़" है इसका मतलब है कि LCA में विभाजित होने से पहले उसमे एक रुकावट है। एलएडी और सीएक्स। यह एक गंभीर समस्या है, जिसे "विडो मेकर" उपनाम से भी जाना जाता है, जिसके लिए

हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा तत्काल उपचार की आवश्यकता होती है। जब प्लम्बिंग की बात आती है, तो अपस्ट्रीम ब्लॉकेज जितना अधिक होगा, हृदय की मांसपेशियों के लिए जोखिम उतना ही अधिक होगा। प्लंबिंग की भाषा में कहें तो अगर आप अपने बेसमेंट में पानी का बहाव रोक देंगे तो आपके घर में कहीं और पानी नहीं आएगा। सिंगल, डबल, ट्रिपल वेसल रोग के साथ-साथ लेफ्ट मेइन डिसीज़ वाले कई रोगियों को अपनी जान बचाने के लिए कोरोनरी बाईपास सर्जरी की आवश्यकता होती है और वे इस बीमारी के लिए मिनिमली इनवेसिव हाइब्रिड थेरेपी के लिए आदर्श उम्मीदवार साबित हो सकते हैं।

पहले से अवरुद्ध कोरोनरी धमनी में रक्त के प्रवाह को फिर से शुरु करने का एकमात्र तरीका बाईपास सर्जरी थी। बाद में एंजियोप्लास्टी की तकनीक का आविष्कार हुआ और कोरोनरी धमनी रोग के उपचार में इसका इस्तेमाल किया गया। अवरुद्ध हिस्से में एक पतला कैथेटर डाला जाता है जिसके ऊपर एक फुला सके ऐसा बलून को अंदर डाला जाता है और उस बलून को फुलाया जाता है और अवरुद्ध हिस्से को खींचकर खोला जाता है। यह एक अच्छा विकल्प था, लेकिन इसमें एक महत्वपूर्ण समस्या भी थी। अक्सर एंजियोप्लास्टी के बाद खिंचाव की रुकावट फिर से सिकुड़ जाती है (जिसे रेस्टेनोसिस के रुप में भी जाना जाता है) और मरीज छाती में दर्द या दिल का दौरा जैसी समान या उससे भी अधिक गंभीर समस्याओं के साथ लौटते हैं। रेस्टेनोसिस को रोकने के लिए कुछ करने की जरुरत है। हमारे क्षेत्र के शोधकर्ताओं का दिमाग 'मैकेनिकल' होता है। और इसका नया विकल्प एक विस्तार योग्य वायर मेश ट्यूब का डिज़ाइन है जो रुकावट वाले हिस्से में एक संरचना के रुप में कार्य करता है और इसे खुला रखकर रेस्टेनोसिस को रोकता है।

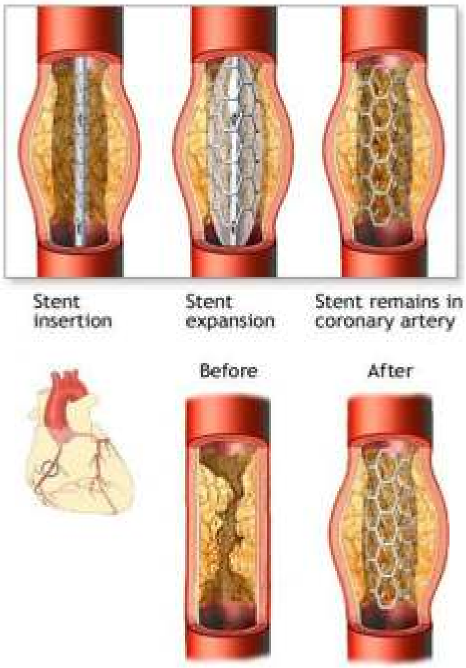

अब जब आप इस प्रकार के कोरोनरी इंटरवेंशन के बारे में थोड़ा और जान गए हैं, तो मैं आपको दिखाऊंगा कि दोनों प्रकार के लिए सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करने के लिए कई अलग-अलग स्थितियों में मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी विधियों और स्टेंट को कैसे संयोजित किया जाए। इन मिनिमली इनवेसिव प्रक्रियाओं के एक नियोजित संयोजन के साथ, एक कम प्रभावी, मिनिमली इनवेसिव विधि हृदय की कई समस्याओं के लिए त्वरित रिकवरी, छोटे चीरों और उत्कृष्ट कॉस्मेटिक परिणामों के साथ पूर्ण इलाज प्रदान करती है। मैं आपके साथ अपने नैदानिक अभ्यास से कुछ नैदानिक मामलों को साझा करना चाहता हूं जिससे आपको यह समज आएगा की कैसे एक मिनिमली इनवेसिव हाइब्रीड प्रक्रिया अद्भुत परिणाम मिल सकता है।
इस दृष्टिकोण के लिए निष्कर्ष यह है कि एक आंतरिक स्मृति धमनी जिसे न्यूनतम इनवेसिव पॉकेट में रखा जा सकता है, हृदय की एन्टीरियल दीवारों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है। इस बाईपास ग्राफ्ट के संरक्षण में अन्य रक्तवाहिकाओं को रखा जा सकता है। जब बाईपास सर्जरी पूरी हो जाती है, तो

कार्डियोलॉजिस्ट अत्यधिक अवरुद्ध धमनियों में रक्त के प्रवाह को बहाल करने के लिए एंजियोप्लास्टी करता है, जहां बाईपास की आवश्यकता नहीं होती है। रुकावट की पुनरावृत्ति की संभावना को कम करने के लिए, कोटेड स्टेंट का उपयोग किया जाता है।

मिनिमली इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रियाओं का उपयोग करके और स्टेंट की सर्वोत्तम क्षमताओं का उपयोग करके, अर्थात, नॉन-लेफ्ट एन्टीरियल डिसेंडिंग (एलएडी) रक्त वाहिकाओं की देखभाल करते हुए, हाइब्रीड प्रक्रिया बाईपास सर्जरी और स्टेंटिंग के साथ अच्छी तरह से जोड़ती है।

सीम्स अस्पताल की टीम एक उन्नत हाइब्रीड प्रक्रिया पर काम कर रही है जो एंडोस्कोपी सर्जरी और कैथेटर-आधारित इंटरवेंशन के संयोजन से कोरोनरी धमनी के सिस्टमकी कई रुकावटों का इलाज करती है।

24 HOURS EMERGENCY
NEURO SERVICES

CIMS®
MARENGO ASIA NETWORK HOSPITAL

सिम्स सुपर स्पेश्यालिटी होस्पिटल, अहमदाबाद

पश्चिमी भारत के सबसे अनुभवी न्यूरो और स्पाईन सर्जनों का

हम स्वागत करते हैं

डॉ जयुन एम शाह	डॉ संदिप एस शाह	डॉ वाय सी शाह	डॉ परिमल त्रिपाठी
MS, MCh (Neuro)	MS, MCh (Neuro), FINR Switzerland	MS, MCh (Neuro)	MCh, FRCS (UK) Neuro
77689 83539	**98790 02557**	**98240 37137**	**98250 73030**

सर्जिकल विशेषज्ञता

- हाइड्रोसेफलस (दिमाग के पड़दो में पानी भर जाना)
- दिमाग और करोडरज्जु ट्रोमा
- दिमाग और करोडरज्जु में ट्यूमर
- पिट्युटरी - स्कल आधारित सर्जरी
- एन्यूरिज्म, AVM - वास्कयुलर सर्जरी
- एन्डोस्कोपिक दिमाग (ब्रेन) और करोडरज्जु (स्पाईन)की सर्जरी
- एपिलेप्सी और स्ट्रोक सर्जरी
- स्टीरियोटेक्टिक सर्जरी
- MVD / RFTC ट्राईजेमिनल न्यूराल्जिया
- MISS - डिस्क रिप्लेसमेन्ट

सिम्स सुपर स्पेश्यालिटी होस्पिटल
ओफ सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060

अपोईन्टमेन्ट के लिए
1800 3099 999
समय: 9:00 AM - 7:00 PM (सोम से शनि)

CIMS®
MARENGO ASIA NETWORK HOSPITAL

सिम्स सुपर स्पेश्यालिटी होस्पिटल, अहमदाबाद

उपलब्ध सुविधायें

- गुजरात की सबसे **बड़ी प्राईवेट मल्टी-स्पेशियलीटी अस्पताल** में से एक
- गुजरात का पहला **हृदय प्रत्यारोपण केन्द्र** (हार्ट ट्रान्सप्लान्ट सेन्टर)
- गुजरात में सबसे पहले में से एक - मरीजों में **मल्टी ओर्गन फैल्यर** के लिए ईक्मो (ECHO- Extracorporeal Membrane Oxygenation) ट्रीटमेन्ट
- भारत में सबसे पहले मे से एक और **गुजरात का पहला** - टावी (TAVR - Transcatheter Aortic Valve Replacement - सर्जरी के बिना रोगग्रस्त वाल्व को बदलने की प्रक्रिया)
- गुजरात में पहला - **डिजीटाईज़ड ओटी** (ओपरेशन थीयेटर) और **आईसीयु** (ICUs)
- गुजरात में पहला - **लंग और लीवर ट्रान्सप्लान्ट**
- गुजरात में पहला – थैलेसीमिया के लिए **पिडीयाट्रीक बोर्न मेरो ट्रान्सप्लान्ट** युनिट
- गुजरात का पहला विशेष प्रोग्राम मे से एक – **स्टेमी** (STEMI - फास्ट हार्ट एटेक ट्रीटमेन्ट)
- पश्चिमी भारत का पहला एक्सक्लूसिव **ट्रॉमा सेन्टर** जिसमें एटीएलएस (ATLS) और बीएलएस (BLS) प्रोटोकॉल-आधारित ट्रॉमा प्रबंधन
- एशिया पेसिफिक मे पहला – **केन्सर रेडियेशन के लिए ईलेक्टा वर्सा एचडी** (Elekta Versa HD)
- गुजरात में पहला – **कार्लज़ीस पेंटेरो 900 माइक्रोस्कोप** (Carlzeiss Pentero 900 Microscope)
- गुजरात में पहला – **एमआरआई सिग्ना एक्सप्लोरर** (MRI Signa Explorer)
- अत्याधुनिक - **पेंटेक्स** - गुजरात में पहला एचडी **ईयूएस (EUS) / ईबीयूएस (EBUS) (जे १० सीरीज)** बेहतर निदान के लिए एचडी ऑप्टिविस्टा प्लस प्रोसेसर के साथ।
- एडल्ट और **पिडीयाट्रीक कार्डियोलॉजी केंद्र** में पहला EPIQ CVxi **स्ट्रक्चरल हार्ट डिसीज़ / डिफेक्ट मेनेजमेन्ट केंद्रित**

गुणवत्तायुक्त गोल्ड सील
जोईन्ट कमिशन ईन्टरनेशनल (JCI) - USA
अहमदाबाद शहर में मान्यता प्राप्त एक मात्र मल्टी-स्पेश्यालीटी अस्पताल

CIMS®
MARENGO ASIA NETWORK HOSPITAL

CIMS SUPER SPECIALITY HOSPITAL
Off. Science City Road, Sola, Ahmedabad - 380060
Email : info@cims.org | www.cims.org

CALL FOR APPOINTMENT
1800 3099 999
Time - 9:00 AM - 7:00 PM (Mon to Sat)

CIMS®
MARENGO ASIA NETWORK HOSPITAL

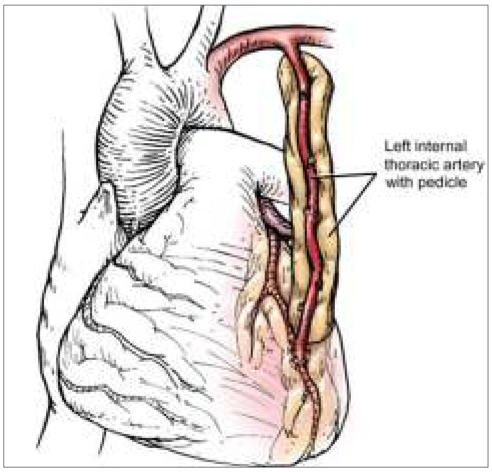

मिनिमली इन्वेज़िव सीएबीजी

एक साथ (निरंतर) हाइब्रीड प्रक्रिया के अन्य लाभ क्या हैं?

- यह दृष्टिकोण रोगियों के लिए फायदेमंद है क्योंकि अलग-अलग दिनों की तुलना में एक ही समय में बाईपास सर्जरी और स्टेंटिंग करना आसान और कम तनावपूर्ण होता है।
- पूरी प्रक्रिया कार्डियक सर्जरी ऑपरेटिंग रूम के पूर्ण संरक्षण में की जाती है।
- मरीजों के लिए एक और फायदा यह है कि इस प्रकार की बाईपास सर्जरी बिना बड़े चीरे के की जा सकती है। यह लंबी अवधि की सफलता की बेहतर संभावनाओं के साथ एक कम ईन्वेसिव प्रक्रिया है।
- मरीज तेजी से ठीक होने और कम अस्पताल में रहने की उम्मीद कर सकते हैं।

हाइब्रीड प्रक्रिया कौन कर सकता है? एक बड़ी रक्त वाहिका में रुकावट वाले लोग लेफ्ट एन्टीरियल डिसेंडींग (LAD) धमनी कहलाते हैं, जो ह्रदय को 60% रक्त की आपूर्ति करती है, साथ ही नॉन -पृष्ठ धमनियों में रुकावट वाले लोग जिन्हें स्टेन्ट उपचार की आवश्यकता होती है वह हायब्रीड प्रक्रिया करवा सकते है।

नैदानिक केसीज़ और उदाहरण

- एक 45 साल के व्यक्ति डबल वेसल डिजीज से पीड़ति थे , उसकी एक एलईडी आर्टरी 100% ब्लॉक हो गई थी। जबकि दाहिनी (राइट) धमनी 90% अवरुद्ध थी। उनके लिए एंजियोप्लास्टी का विकल्प संभव नहीं था और वे 10-12 इंच जितनी हड्डी को काटकर की जाने वाली पारंपरिक बाईपास सर्जरी के लिए तैयार नहीं थे। इसलिए उन्हें हाइब्रीड सीएबीजी विकल्प दिया गया। LAD धमनी को छाती की दीवार से छाती के साइड में एक छोटा चीरा लगाकर धमनी को बायपास किया जाता है। तीसरे दिन दाहिनी धमनी में एंजियोप्लास्टी की गई। ऑपरेशन के पांचवें दिन मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और 20 दिनों के भीतर तो वह अपनी सामान्य जीवन शैली में लौट आए।

- रूमेटोइड आर्थराइटीस और गंभीर हड्डी विकारों वाले 65 वर्षीय रोगी को तीन-वाहिका रोग (थ्री वेसल डिसीज़) था। पारंपरिक सीएबीजी उनके लिए बेहद जोखिम भरा था। इसलिए उन्हें हाइब्रीड सीएबीजी का विकल्प दिया गया था। रोगी की LAD धमनी MICS CABG और दो अन्य रक्त वाहिकाओं के लिए एंजियोप्लास्टी की गई। ऑपरेशन के छठे दिन वह घर जा सका और सिर्फ 1 महीने में वह अपने दैनिक जीवन में वापस आ सका।

आइए एक हाइब्रीड ऑपरेटिंग रूम में की जाने वाली कुछ नियमित प्रक्रियाओं पर एक नज़र डालें ताकि यह पता लगाया जा सके कि गंभीर ह्रदय उपचार की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए इसका क्या अर्थ है।

स्टेन्ट वॉल्व - एक व्यक्ति छाती में दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचता है। डॉक्टरों ने जाँच की तो जानने में आया की उसकी दो दाहिनी कोरोनरी धमनियां आंशिक रूप से अवरुद्ध हो गई थीं और एरोटिक वाल्व (एरोटिक वाल्व स्टेनोसिस) संकुचित हो गया था। हाइब्रीड ऑपरेटिंग रूम में, ह्रदय रोग विशेषज्ञ अवरुद्ध धमनी में रक्त के प्रवाह को बहाल करने के लिए एक स्टेंट डालते हैं। इसके तुरंत बाद, कार्डियक सर्जन क्षतिग्रस्त वाल्व को बदल देता है।

कॉम्बिनेशन रिवास्क्युलराइज़ेशन - एक महिला को कोरोनरी धमनी में आंशिक रुकावट थी और दूसरी सम्पूर्ण रुकावट थी। इस मामले में ह्रदय की मांसपेशियों को रक्त की आपूर्ति बहाल करने के लिए कॉम्बिनेशन (संयोजन) दृष्टिकोण सबसे अच्छा काम कर सकता है। कार्डियोलॉजिस्ट इसे खोलने के लिए कोरोनरी धमनी में एक स्टेंट डालता है और फिर, सर्जरी विशेषज्ञ अन्य रुकावट के आसपास रक्त प्रवाह शुरू करने के लिए बाईपास रक्तवाहिका को संसाधित करता है।

मिनिमली इनवेसिव प्रक्रियाएः बहुत से लोगों को ह्रदय की समस्या होती है जिसके लिए पहले पारंपरिक सर्जरी एक विकल्प था, लेकिन अब इसका इलाज मिनिमली इन्वेसिव

CIMS®
MARENGO ASIA NETWORK HOSPITAL

तकनीकों से किया जा सकता है। इसका एक उदाहरण एरोटिक वाल्व प्रतिस्थापन है, जो अब कम इनवेसिव सर्जरी या एंजियोप्लास्टी जैसी गैर-सर्जिकल प्रक्रिया के साथ किया जाता है (यह एक प्रयोगात्मक दृष्टिकोण है, जिसे ट्रांसकैथेटर वाल्व रिप्लेसमेन्ट के रूप में जाना जाता है)। यह प्रक्रिया वर्तमान में मूल्यांकन के अधीन है और व्यापक रूप से उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार की मिनिमली इनवेसिव प्रक्रियाओं के लिए ऑन-साइट, उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले डिजिटल इमेजिंग उपकरणों की आवश्यकता होती है जो केवल हाइब्रिड ऑपरेटिंग रूम में उपलब्ध होते हैं।

दोनों ही मामलों में अंतिम परिणाम दोनों का सर्वश्रेष्ठ लेने के रूप में वर्णित किया जा सकता है। तकनीकों के संयोजन के माध्यम से, दोनों रोगियों ने अपने सभी कोरोनरी ब्लॉकेज और / या वाल्व रोग के लिए सफल उपचार प्राप्त किया, जिसके परिणामस्वरूप बिना किसी रक्त आधान के और उत्कृष्ट कॉस्मेटिक परिणामों के साथ तेजी से और कोई समस्या नहीं हुई। प्राचीन हाइब्रीड, संकर प्रजातियों की तरह, इन प्रक्रियाओं में अलग-अलग शक्तियां होती हैं जो एक साथ एक विशेष शक्तितत्व बनाती हैं।

TRUSTED CANCER CARE EXPERTS

CIMS SUPER SPECIALITY HOSPITAL, AHMEDABAD

INSTITUTE OF CANCER CARE

RADIATION • CHEMOTHERAPY • SURGERY

25TH

KIDNEY TRANSPLANT

07-03-2022

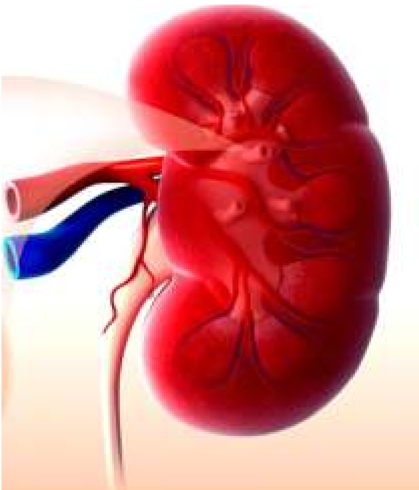

CIMS®
MARENGO ASIA NETWORK HOSPITAL

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2022-2024 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2024
Licence to Post Without Prepayment No. PMG/NG/88/2022-24 valid upto 31st December, 2024

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,
Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.
Ph. : +91-79-4805 1111 / 2772 2771-75
Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823

सिम्स सुपर स्पेश्यालिटी होस्पिटल, अहमदाबाद

22nd TAVI January 2022

Transcatheter Aortic Valve Implantation

Balloon Expandable Valve

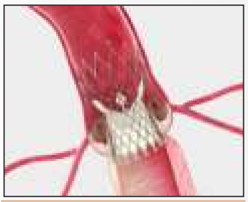

Self Expanding Supra-Annular Valve

A procedure to replace the diseased valve without surgery

HIGHEST NUMBER IN GUJARAT

100% SUCCESSFUL HOSPITAL OUTCOMES

ONE OF THE BEST HEART TEAM OF INDIA

गुजरात का पहला हार्ट ट्रान्सप्लान्ट (हृदय प्रत्यारोपण) सेन्टर

27TH HEART TRANSPLANT MARCH 15, 2022

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।

CIMS®
MARENGO ASIA NETWORK HOSPITAL